

# विद्या भवन् बालिका विद्यापिठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत

26 नवंबर 2020

वर्ग षष्ठ

राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

त्रयोदशः पाठः

सुभाषितानिः

त्वमेव व माता च पिता त्वमेव = तुम हि माता हो और पिता हो।

त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव = तुम ही बन्धु हो और मित्रं भी तुम ही हो।

त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव = तुम ही विधा हो और तुम ही धनं हो।

त्वमेव सर्वं मम देव देव = हे देवों के देव, तुम ही मेरे सब कुछ हो।

हस्तस्य भूषणं दानं = हाथ का आभूषण दान है।

सत्यं कण्ठस्य भूषणम् = जले का आभूषण सत्य है।

श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं = कान का आभूषण शास्त्र है।

भूषणैः किम् प्रयोजनम् = आभूषणों से क्या प्रयोजन।